# यूपी बोर्ड प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 2023
# साहित्यिक हिन्दी
# कक्षा 12 (केवल प्रश्नपत्र)

**समय : 3 घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक : 100**

निर्देश – (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

## खण्ड 'क'

1. (क) बाबू गुलाबराय की आत्मकथा है-

(i) कुछ आप बीती, कुछ जग बीती

(ii) मेरा जीवन प्रवाह

(iii) मेरी असफलताएँ

(iv) अपनी खबर |

(ख) 'अँधेर नगरी' के रचनाकार है-'

(i) जयशंकरप्रसाद

(ii) हरिकृष्ण प्रेमी

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) वियोगी हरि |

(ग) 'सरस्वती' किस युग की पत्रिका है -

(i) भारतेन्दु युग

(ii) छायावाद युग

(iii) छायावादोत्तर युग

(iv) द्विवेदी युग ।

Gyansindhu Coaching Classes

(घ) 'कन्यादान' निबन्ध के लेखक हैं-

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ० सम्पूर्णानन्द

(iv) सरदार पूर्णसिंह।

(ङ) 'सत्यार्थ प्रकाश' रचना है-

(i) सदल मिश्र की

(ii) राजा लक्ष्मणसिंह की

(iii) स्वामी दयानन्द की

(iv) वासुदेवशरण अग्रवाल की ।

2. (क) 'कश्मीर सुषमा' के रचयिता हैं-

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) नागार्जुन

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

(iv) श्रीधर पाठक।

(ख) छायावाद की विशेषता है

(i) इतिवृत्तात्मकता

(ii) शृंगारिक भावना

(iii) सौन्दर्य एवं प्रेम

(iv) उपदेशात्मक वृत्ति।

(ग) 'संसद से सड़क तक' रचना है-

(i) मुक्तिबोध की

(ii) धूमिल की

(iii) नागार्जुन की

(iv) अज्ञेय की ।

Gyansindhu Coaching Classes

(घ) 'जयचन्द्रप्रकाश' रचना है-

(i) चन्दबरदायी की

(ii) भट्ट केदार की

(iii) नरपति नाल्ह की

(iv) विद्यापति की ।

(ङ) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' यह कथन है-

(i) रामचन्द्र शुक्ल का

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का

(iii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी का

(iv) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ।

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है, वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की ! लक्ष्यदर्शी जीवन की ! सेवा निरत जीवन की ! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की । भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपर्युक्त गद्यांश में किस चमत्कारी अनुभव की ओर संकेत किया गया है?

(घ) "यह किस दीपक की जोत है?" इस वाक्य में क्या भाव निहित है?

(ङ) यहाँ लक्ष्यदर्शी जीवन की जोत से क्या तात्पर्य है?

अथवा

Gyansindhu Coaching Classes

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म - विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना

चाहते है। यही राष्ट्र-संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) हम गौरव के साथ किसे धारण करते है?

(घ) राष्ट्र के विकास का स्वाभाविक ढंग किसे बताया गया है?

(ङ) 'राष्ट्र संवर्धन' का प्रकार स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

जल पंजर गत अब अरे अधीर, अभागे,
वे ज्वलित भाव ये स्वयं तुझी में जागे ।
पर या केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में?
क्या शेष बचा या कुछ न और इस जन में?
कुछ मूल्य नहीं वात्सल्य - मात्र, क्या तेरा ?
पर आज अन्य-सा हुआ वत्स भी मेरा ।
थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके,
जो कोई जो कह सके, कहे, क्यों चूके ?
छीने न मातृपद किन्तु भरत का मुझसे,
रे राम, दुहाई करूँ और क्या तुझसे?

(क) पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) प्रस्तुत काव्यांश किस प्रसंग पर आधारित है ?

(घ) कैकेयी अपने मातृपद के सम्बन्ध में श्रीराम से क्या कहती है ?

(ङ) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने माता की किस मनोदशा का वर्णन किया है?

Gyansindhu Coaching Classes

अथवा

सैकत शय्या पर दुग्ध धवल तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल
तापस बाला, गंगा निर्मल, शशिमुख से दीपित मृदु करतल,
लहरे उन कोमल कुन्तल गोरे
अंगों पर सिहर सिहर, लहराता तार तरल सुन्दर
चंचल अंचल-सा नीलाम्बर।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए।
(ख) रेत की शय्या पर क्षीणकाय यकी स्त्री-सी कौन लेटी हुई है ?
(ग) गंगा का स्वरूप किस प्रकार दिखलायी पड रहा है? (घ) किसके शरीर पर तारों के प्रतिबिम्ब लहरा रहे हैं?
(ङ) श्रुति, क्लान्त और निश्चल का आशय स्पष्ट कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय, रचनाओं और भाषा शैली का उल्लेख कीजिए-
(शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल
(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(iii) पं0 दीनदयाल उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं तया भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) जयशंकरप्रसाद
(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(iii) महादेवी वर्मा।

Gyansindhu Coaching Classes

6. 'बहादुर' कहानी की कया अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्त्वों के आधार पर 'पंचलाइट' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी का विवेचन कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के प्रश्न का उत्तर दीजिए- (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(iii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(iv) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की राष्ट्रीयता और देशभक्ति सम्बन्धी भावनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की पात्र योजना एवं चरित्र चित्रण को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

Gyansindhu Coaching Classes

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

## खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

याज्ञवल्क्य उवाच— न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु व कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति । तस्माद् आत्मा वा अरे मैत्रेय! द्रष्टव्यः दर्शनार्य श्रोतव्यः, मन्तव्यः निदिध्यासितव्यश्च आत्मनः खलु दर्शनेन इदं सर्व विदितं भवति ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः आसीत्। अधिकारः हिन्दी - हिन्दु - हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीन प्रकाश उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणा अयं जनान् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशाल विश्वविद्यालयः विश्वविद्यालय भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जनः महतोत्साहेन, मनस्वितया, पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः । एतदर्थमेव जनास्तं महामना इत्युपाधिना अभिधातुमारब्धवन्तः ।

Gyansindhu Coaching Classes

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा ययेष्टम् ।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ॥

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(क) वैवस्वतः मनुः कः आसीत्?

(ख) पाण्डवदूतः कः आसीत्?

(ग) कदा विकसति ?

10. (क) 'हास्य' रस अथवा 'वत्सल' रस की परिभाषा लिखिए और उसका एक उदाहरण भी दीजिए।

(ख) श्लेष अलंकार' अथवा 'सन्देह' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण भी दीजिए।

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'रोला' छन्द का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

(क) भारतीय किसानों की समस्याएँ

(ख) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-

(ग) पर्यावरण संरक्षण

(घ) मेरा प्रिय कवि

(ङ) भ्रष्टाचार : कारण एवं निवारण।

Gyansindhu Coaching Classes

12. (क) (i) पौ + अन: की सन्धि होगी-

(अ)पावन:

(ब) पवन:

(स) पवान:

(द) पवन

(ii) 'अयादि' सन्धि है—

(अ) ने + अनम्

(ब) नय + नम्

(स) यदि + अपि

(द) सत् + चित् ।

(iii) 'विसर्जनीयस्य सः' सन्धि है-

(अ) उद् + कीर्ण:

(ब) पेष् + ता

(स) गृहं + गच्छ

(द) दुष्टः + ताडयति ।

(ख) (i) 'उपगंगम्' में समास है-

(अ) बहुव्रीहि

(ब) कर्मधारय

(स) अव्ययीभाव

(द) इनमें से कोई नहीं ।

(ii) 'नीलगाय' में समास है-

(अ) द्विगु

(ब) द्वन्द्व

(स) बहुव्रीहि

(द) कर्मधारय ।

Gyansindhu Coaching Classes

13. (क) (i) 'आत्मभिः' रूप है 'आत्मन् का-

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(स) तृतीया विभक्ति, बहुवचन ।

(ii) 'नाम्नाम्' नामन् शब्द का रूप है -

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन |

(ख) (i) 'अपिबाम' रूप है. 'पा' धातु के- -

(अ) लङ्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का

(ब) लट्लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन का

(स) लोट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचने का

(द) लृट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का ।

(ii) 'तिष्ठ' रूप है 'स्था' धातु का -

(अ) लट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(ब) लोट्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(स) विधिलिङ्लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन

(द) लङ्लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन।

(ग) (i) 'गतः' शब्द में प्रत्यय है-

(अ) तव्यत्

(ब) अनीयर्

(स) क्त्वा

(द) क्त।

Gyansindhu Coaching Classes

(ii) 'मतिमान्' शब्द में प्रत्यय है- -

(अ) त्व

(ब) मतुप्

(स) अनीयर्

(द) वतुप्।

(घ) (i) 'ग्रामं परितः सरोवराः सन्ति। ' में 'ग्रामं' में द्वितीया विभक्ति है-

(अ) कर्म कारक के कारण

(ब) 'परितः के योग में

(स) 'षष्ठी शेषे' के कारण

(द) यतश्च निर्धारणम् ।

(ii) विकारित अंग में विभक्ति होती है-

(अ) तृतीया

(ब) पञ्चमी

(स) षष्ठी

(द) सप्तमी ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

(i) सड़क के दोनों ओर वृक्ष हैं।.

(ii) मैं कल प्रयाग गया था।

(iii) श्री गणेश को नमस्कार है।

(iv) वृक्ष से पके हुए फल गिरते हैं।

Gyansindhu Coaching Classes